Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–119

B.A. (Part–III) DUE Ist Year Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - I

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सके।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

निर्देश :– (i) सवालां रा उत्तर राजस्थानी अथवा हिंदी में दिया जावै।

(ii) भाग 'अ' में दियोड़ा सगळा सवालां रा उत्तर दिया जावणा लाजमी है। आं री सबद सीमा **50** है। हरेक सवाल रा **02** अंक है।

(iii) भाग 'ब' में कोई सा 5 सवालां रा उत्तर दिया जावणा है। आं री सबद सीमा **200** है। हरेक सवाल रा **08** अंक है।

(iv) भाग 'स' में कोई सा 02 सवालां रा उत्तर दिया जावणा है। आं री सबद सीमा **500** है। हरेक सवाल रा **20** अंक है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. हेठां लिख्या सवालां रा उत्तर लिखो–

(i) 'मूमल' रचना रा रचनाकार कुण है ?

(ii) 'बादळी' किण कवि री रचना है ?

(iii) 'मरण पंथ रा पंथी' कविता रो मूळ संवेदना कांई है ?

(iv) 'सार कमाई' कविता में कवि कांई संदेस देवणो चावै ?

(v) ''अपराध हुयो है अणजाणै, हूं देड जित्तो कोनी दोसी'' अै बोल किणरा है ?

(vi) 'मानखो' मांय आया दोय रिसियां रा नांव बताओ।

(vii) 'मानखो' मांय पारथ अर सारथ कुण है ?

(viii) आधुनिक राजस्थानी प्रकृति काव्य परंपरा री कोई दोय रचनावां रोनांव बताओ।

(ix) यमक अलंकार किणनै कैवै ? उदाहरण सागै बताओ।

(x) सबद सक्ति किणनै कैवै ? इणरा कित्ता भेद है ? नांव बताओ।

खण्ड–ब प्रत्येक 8

हेठां लिखी कवितावां रै अंसां री प्रसंग सागै व्याख्या करो। (कोई **पांच**)

2. रण रुपग्यो, झिझक रती कोनी,

नी करम खेत कंवळाई है।

इण करतब रै हैलै आगै,

कुण बैन हुवै, कुण भाई है॥

3. पण न्याय पणै रै नैचै स्यूं,

जै अब नर ऊंचौ नी आसी।

तो सैं डाळा सागै ढैसी,

जग-रूंख मूळ स्यूं मिट ज्यासी॥

4. स्यांग नांव राधा रळीयां बिन,

प्रेम रूप नीं पूरो।

पाप मिटावण कृष्ण बियां है,

अरजुन बिना अधुरो॥

होवैला अधरम कियां अठै,

धरती है धरम सखाळां री।

सगती नै दुनिया जाणै है,

कैड़ी करणी कुन्ताळां री॥

5. ओ रै भाया, रुक मत भाई, झुक मत भाई,

ऊजड़ खड़ती आंधी आई,

दो झटका दे आ ढळ जासी, आ गळ जासी रेत चढाही,

रुकतां पैली आप मरैली, जीव जठै तक आगै जाही॥

6. दिवलो जळ-बळ मिल्यो खाक में,

करग्यो ज्योत उजाळौ

मरण बांध कूद्यो सिखरां सूं

वो झरणो मतवाळो—

वो झरणो मतवाळो

उण रो मरण-पंथ कुण देखै

जग तो प्रीत करै ज्योती सूं

बळणौ करमां लेखै।

7. जीवण नै सह तरसिया बंजड़ झंखड़ बाढ।

बरसो भोळी बादळी, आयो आज आसाढ॥

सोनै सूरज ऊगियो, दीठी बादळियां।

मुरधर लेवै वारणा, भर-भर आंखड़िया॥

8. इण भासा रै पाण 'चंद' कवि रच्यो वीर छंदां में राखो।

जे 'चौहाण' दाव नंह चूकै पळट जाय पिरथी रो पासो।

'पीथळ' लिखी 'पतै' नै पाती रुंधी रो संदेसो कैड़ो।

आखर बांध अचंभै राणो कायर रूप रयोनीं नैड़ो॥

कवि रा बोल काम जै चुभिया राणै मौत मौत नीं जाणी।

(पण) आज लाज री बात देस में निदरी जावै राजस्थानी॥

खण्ड–स प्रत्येक 20

हेठां लिख्या सवालां मांय सूं किणी दो रा उत्तर लिखो–

9. 'मानखो' काव्य रै आधार माथै सुभद्रा रो चरित्र-चित्रण सोदाहरण करो।

10. गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' री रचनावां रो भाव अर संदेस उदाहरणां साथै उजागर करो।

11. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा माथै अेक आलेख लिखो।

12. राजस्थानी रा चावा अलंकार 'वैण सगाई' अर उणरा भेदां रो उदाहरण सहित वरणन करो।